यह उम्मीद की गयी है कि देश में लगभग 10%–15% खंड और नगर क्षेत्रों में सभी प्राथमिक विद्यालयों को शामिल कर लिया जायेगा। स्कूली बच्चों के लिए पीने के पानी की सुविधा के प्रावधान पर पीने के पानी के प्रौद्योगिकी अभियान के अन्तर्गत विशेष ध्यान दिया जाना है।

(ख) वर्ष 1987–88 में प्राइमरी स्तर पर बच्चे लगभग 929.7 लाख और 16.16 लाख अध्यापक थे। राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद द्वारा अनुशंसित अध्यापक-छात्र के 1:40 के अनुपात के अनुसार लगभग 7 लाख और अधिक शिक्षकों की आवश्यकता है।

प्राथमिक स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति करना राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व है। यह छात्रों के दाखिले, कक्षा का आकार नये स्कूलों का खोलना, निधियों आदि की उपलब्धता आदि पर निर्भर करते हुए एक सतत प्रक्रिया है। केन्द्रीय सरकार एकल शिक्षक वाले स्कूलों में दूसरे अध्यापक अधिमानता एक महिला अध्यापक का प्रावधान करने के लिए आपरेशन ब्लैक बोर्ड की योजना के अन्तर्गत सहायता प्रदान करती है।

Undertaking by the parents of students seeking admission in Kendriya Vidyalaya, Rampur

1582. SHRI ISH DUTT YADAV: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the parents of students of Kendriya Vidyalayas seeking admission to Class XI are required to give any kind of undertaking;

(b) if so, the proforma used therefor;

(c) if not, the reasons for refusing admission to students of Kendriya Vidyalaya, Rampur on their refusal to give such undertaking; and

(d) whether any action has been taken against the principal on this count?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI CHIMANBHAI MEHTA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) The information in this regard is being obtained from Kendriya Vidyalaya Sangathan.

(d) Does not arise at this stage.

Opening of Zonal Centres of Patrachar Vidyalaya in Delhi

1583. SHRI N. E. BALARAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Patrachar Vidyalaya under the Delhi Administration has its office at Timarpur and the students seeking admission therein have to go to Timarpur from far off places in Delhi, which causes great hardships to them;

(b) if so, whether some zonal admission centres would be opened; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI CHIMANBHAI MEHTA): (a) There is no complaint on the record of Directorate of Education, Delhi Administration that students are having any difficulty in getting admission in Patrachar Vidyalaya situated at Timarpur.

(b) and (c) Do not arise.

Basic facilities to teachers of Delhi Administration

1584. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the problems of Delhi Government School Teachers particularly relating to their medical allowance, allotment of Government accommodation from the Estate Office quota, stoppage of promotion avenues; and

(b) if so, whether Government propose to provide them the basic facilities, if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI CHIMANBHAI MEHTA): (a) and (b) The Government schools teachers in Delhi had been demanding medical allowance at the rate of 7.5 per cent of the basic pay as recommended by Chattopadhyaya Commission and allotment of Government accommodation. The policy of the Government is not to grant medical allowance irrespective of the need. As regards allotment of accommodation to teachers, this has not been accepted so far. The Government have revised the pay scales of school teachers on 12-8-87 effective from 1-1-86, which adequately take care of further advancement of teachers by providing three-tier pay scale, i.e., ordinary scale Senior Scale and Selection Scale.

देश में पब्लिक स्कूलों और प्राइवेट स्कूलों की संख्या

†1585. डा० अबरार अहमद खान : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कितने पब्लिक स्कूल, प्राइवेट स्कूल और सरकारी स्कूल हैं; तथा इनमें पढ़ रहे विद्यार्थियों की अलग-अलग संख्या कितनी-कितनी है; और

(ख) इन तीनों श्रेणियों के स्कूलों द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी से कितनी-कितनी फीस वसूल की जाती है तथा उनके शिक्षण-स्तर में कितना अन्तर है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमनभाई मेहता) : (क) राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद द्वारा वर्ष 1986–87 में किए गए पांचवें अखिल भारतीय शिक्षा सर्वेक्षण के आधार पर 30–9–1986 की यथास्थिति के अनुसार, सरकारी तथा स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों की संख्या क्रमश: 3,03,747 और 3,23,634 थी । सरकार द्वारा सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों की संख्या 76,075 थी और सरकार से कोई सहायता प्राप्त न कर रहे प्राइवेट स्कूलों की संख्या 32,315 थी । इस प्रकार के स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों की संख्या इस प्रकार थी:–

स्कूल का प्रकार	छात्रों की संख्या
1. सरकारी स्कूल	4,88,33,401
2. स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूल	4,45,63,854
3. सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूल	2,71,70,614
4. गैर-सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूल	76,47,512

(ख) अपेक्षित सूचना मंत्रालय द्वारा एकत्र नहीं की जाती है । जहां तक विभिन्न श्रेणियों के स्कूलों के अध्यापन के मानकों के बीच व्याप्त अन्तर का संबंध है, इसे प्रभावित करने वाले घटकों की विविधता के कारण इसे सामान्य नहीं बनाया जा सकता ।

Modernisation of the Armed Forces

1586. SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV:

SHRI PRABHAKAR B. KORE:

SHRI H. HANUMANTHAPPA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Chief of the Army staff has recently stated that the Indian armed forces would be full modernised;

(b) if so, what are the plans in this regard; and